वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. कॉम (पुराना))

प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य

2024–2025

जुलाई 2024 तथा जनवरी 2025 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 1100 68

सत्रीय कार्य – 2024–2025

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2024 और जनवरी 2025)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2024** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2025** तक है।
2. जो **जनवरी 2025** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2025** है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 अक्टूबर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई. बी. ओ. -01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई. बी. ओ. -01/ टी. एम. ए. / 2024-25**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. (क) अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक वातावरण को परिभाषित करें। विदेशी बाजार में प्रवेश करने के निर्णय को प्रभावित करने वाले मुख्य आर्थिक संकेतको की विवेचना करें। (10+10)

(ख) किसी फर्म के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर संस्कृति के तत्वों के प्रभाव की व्याख्या करें। उदाहरण सहित बताएँ।

2. भुगतान शेष क्या है ? उदाहरण के साथ भुगतान शेष के घटकों का वर्णन करें। भुगतान शेष में घाटा तथा आधिक्य अतर्राष्ट्रीय व्यापार को कैसे प्रभावित करता है ? उपयुक्त उदाहरणों के साथ व्याख्या करें। (4+8+8)

3. **निम्नलिखित पर टिप्पणी करें:** (4X5)

(क) एक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार फर्म को विदेश के उद्योग, मौद्रिक तथा भुगतान शेष लेखे का सावधानीपूर्वक निरीक्षण नहीं करना चाहिए ।

(ख) विभिन्न देशों की कानून व्यवस्था के साथ सबसे बड़ी समस्या यह है कि उनमें आपस में बहुत तालमेल होता है।

(ग) वैश्वीकरण ने भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित नहीं किया है ।

(घ) एफ. डी. आई. मेजबान देश की आर्थिक वृद्धि को बढ़ाने में मदद नहीं करता है ।

4. **निम्नलिखित के बीच अंतर कीजिए**: (4X5)

(क) उत्पाद मूल्य अनुपात और कारक मूल्य अनुपात

(ख) मूल्य वर्धित नेटवर्क सेवाएँ और इन्टरनेट सेवाएँ

(ग) उपभोक्ता अतिरेक और उत्पादक अतिरेक

(घ) वैश्वीकरण और ग्लोक्लाइजेशन

5. **निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:** (4X5)

(क) हेक्स्चर- ओहलिन – सैमुअलसन (एच ओ एस) प्रमेय

(ख) व्यापार संबंधी निवेश उपाय (TRIMS)

(ग) विशेष आहरण अधिकार (SDR)

(घ) वैकल्पिक मतभेद प्रस्ताव (ADR)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -02**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -02/ टी. एम. ए. / 2024-25**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. एक भारतीय स्वचालित वाहन कम्पनी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रवेश करने का निर्णय करती है। कंपनी विदेश में विपणन के लिए निवेश करना चाहती है परन्तु उत्पादन में निवेश नही करना चाहती है । बाजार में प्रवेश करने की दो उचित पद्धतियाँ लिखिए तथा उनके लाभ तथा सीमाओं का भी वर्णन कीजिए । **(20)**

2. उपभोक्ता उत्पादों का उत्पादन करने वाली किसी कंपनी के आप विपणन प्रमुख हैं । कंपनी बाजार में मोबाइल फोन का नया ब्रांड उतरना चाहती है । उपभोक्ता प्रोत्साहन तथा व्यवसाय प्रोत्साहन के लिए विक्रय बढ़ाने की उपयुक्त विधियाँ लिखिए । **(20)**

3. **निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखिए:** **(4X5)**

(क) मूल्य निर्धारण हस्तांतरण

(ख) एफ. ओ. बी. (F. O. B.)

(ग) अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रचार का प्रबंधन

(घ) मताधिकार (Franchising) विदेशी बाजार प्रविष्टि के एक उपकरण के रूप में

4. **निम्नलिखित में अंतर कीजिए:** **(4X5)**

(क) बहुराष्ट्रीय विपणन तथा वैश्विक विपणन

(ख) जनसांख्यिकीय वातावरण तथा आर्थिक वातावरण

(ग) डेटा संग्रहण की प्रेक्षण विधि तथा सर्वेक्षण विधि

(घ) निर्यात व्यापारी और निर्यात गृह

5. **निम्नलिखित कथनों पर टिप्पणी कीजिए:** **(4X5)**

(क) उत्पाद योजना सफल अंतर्राष्ट्रीय विपणन के लिए एक महत्वपूर्ण आधारभृत निर्णय है।

(ख) एक छोटे निर्यातकर्ता के लिए एक विदेशी एजेंट की सहायता से निर्यात व्यापार करना ज्यादा अच्छा माना जाता है।

(ग) लक्ष्य बाजारों का चयन अंतर्राष्ट्रीय विपणन का पहला चरण है।

(घ) अंतर्राष्ट्रीय विपणन नियोजन घरेलू विपणन नियोजन से अधिक कठिन है।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -03**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**भारत का विदेश व्यापार**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -03/ टी. एम. ए. / 2024 – 25**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. भारत के भुगतान शेष की प्रमुख विशेषतायें बताइये । भारत में भुगतान शेष को सुधारने हेतु आप क्या उपाय करेंगे ? **(5+15)**

2. विश्व व्यापार संगठन के शासनकाल पर भारत की व्यापार नीति प्रतिक्रिया को समझाइये । **(20)**

3. कपड़ा तथा वस्त्र क्षेत्र विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था में एक प्रधान भूमिका अदा करते हैं । भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में व्याख्या कीजिए । **(20)**

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए: **(10+10)**

(क) पारंपरिक सेवाएँ

(ख) भारत संयुक्त राष्ट्र अमेरिका व्यापार

5. निम्नलिखित कथनों पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए: **(4x5)**

(क) विदेशी व्यापार, पूंजी – प्रवाह एवं नवीन – प्रौद्योगिकी के अधिग्रहण में सहयोग देता है।

(ख) विश्व आयात की बढती हुई प्रवृत्ति ने रत्न तथा आभूषण उद्योग को शामिल करते हुए भारतीय दस्तकारी तथा उसकी निर्यात वृद्धि को प्रोत्साहित किया है।

(ग) भारत का इलेक्ट्रॉनिक के सामान का निर्यात बढ़ रहा है परन्तु यह भारत के कुल निर्यात का लगभग केवल 2 प्रतिशत है।

(घ) दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्र संघ और सार्क, एशिया में दो महत्वपूर्ण प्रादेशिक आर्थिक समूह हैं।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई. बी. ओ. -04**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**निर्यात - आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई. बी. ओ. -04/ टी. एम. ए. / 2024-25**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. ई. डी. आई. (EDI) क्या है ? पिछले कुछ वर्षो में ई. डी. आई. कैसे विकसित हुआ है और ई. डी. आई. प्रणाली के मूल घटक बताइए। ई. डी. आई. से संगठनो को क्या लाभ मिल रहा है उपयुक्त उदाहरण दीजिए । **(4+8 +8)**

2. (क) प्रलेखीय साख से आप क्या समझते हैं ? स्वीकृति पर प्रलेखों की वसूली के अंतर्गत भुगतान प्राप्त करने की क्या विधि है? **(10+10)**

(ख) साख प्रत्र के तहत कौन से प्रलेख आवश्यक हैं ? विभिन्न प्रकार के साख - पत्र की चर्चा करें ।

3. **निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए:** **(4X5)**

(क) निर्यात प्रोत्साहन अब एक सर्वव्यापी प्रथा नहीं है ।

(ख) निर्यात - आयात व्यापार में लोग प्रलेख में लेन - देन करते हैं, न कि वस्तुओं में ।

(ग) साख अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता का मुकाबला करने का एक प्रमुख हथियार नहीं है लेकिन इसमें जोखिम शामिल है ।

(घ) विनिमय नियंत्रण विनियम भारत रिज़र्व बैंक द्वारा प्रशासित नहीं होते हैं।

4. **निम्नलिखित के बीच अंतर कीजिए**: **(4X5)**

(क) राजकोषीय प्रोत्साहन और वित्तीय प्रोत्साहन

(ख) मध्यवर्ती अग्रिम लाइसेंस और अग्रिम लाइसेंस

(ग) देशीय विक्रय अनुबंध और निर्यात बिक्री अनुबंध

(घ) बीमा पॉलिसी और बीमा प्रमाणपत्र

5. **निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए**: **(4X5)**

(क) भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आई टी पी ओ)

(ख) मूल्य वर्धित नेटवर्क सेवाएँ (VANS)

(ग) प्रलेखीय साख

(घ) आयात माल की सीमा शुल्क निकासी के चरण

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -05**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अंतर्राष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक्स**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -05/ टी. एम. ए. / 2024 – 25**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. (क) समुद्री माल परिवहन अधिनियम, 1925 के तहत एक वाहक के कर्तव्य और दायित्व क्या हैं? **(10+10)**

(ख) समुद्री धोखाधड़ी क्या है? उन विभिन्न कारकों का वर्णन करें जो समुद्री धोखाधड़ी की प्रतिबद्धता को जन्म देते हैं।

2. (क) भारत में हवाई परिवहन के सामने क्या समस्याएं हैं और नौवीं योजना के लिए परिकल्पित नीतिगत ढांचा और कार्यक्रम हवाई सेवाओं को बेहतर बनाने में कितनी मदद कर सकते हैं? **(10+10)**

(ख) चार्टरिंग व्यवस्था के विभिन्न रूपों के तहत जहाज मालिकों और चार्टरर्स की जिम्मेदारियों का वर्णन करें।

3. निम्नलिखित पर टिप्पणियां कीजिए : **(4X5)**

(क) "वितरण, विपणन और विनिर्माण को व्यवसाय के भीतर, विशेष रूप से रणनीतिक स्तर पर, अलग-अलग गतिविधियों के रूप में नहीं देखा जा सकता है"।

(ख) "भंडारण व्यवसाय से रिटर्न की दर कम है और निर्माण अवधि काफी लंबी है"।

(ग) "विश्व आर्थिक स्थिति और विश्व व्यापार दोनों अतिसंबंधित हैं"।

(घ) "धोखाधड़ी की घटनाओं में शामिल होने से बचने के लिए जहाज मालिकों और चार्टरर्स के लिए सबसे अच्छा तरीका किसी भी बाध्यकारी प्रतिबद्धता में प्रवेश करने से पहले उन पार्टियों की स्थिति के बारे में आवश्यक पूछताछ करना है जिनके साथ वे काम कर रहे हैं"।

4. निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए : **(4X5)**

(क) कुल लागत अवधारणा और कुल सिस्टम लागत

(ख) अंतर्देशीय कंटेनर डिपो और कंटेनर फ्रेट स्टेशन

(ग) वजन टन और माप टन

(घ) जहाज मालिकों का लियन और समुद्री लियन

5. निम्नलिखित व्यक्तव्यों की व्याख्या अति संक्षेप में कीजिए : **(4X5)**

(क) भारत में निर्यात-आयात कार्गो की आवाजाही के लिए हवाई सेवा

(ख) बंदरगाहों के निगमीकरण और उसकी प्रगति की आवश्यकता

(ग) ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया

(घ) 1916 का अमेरिकी शिपिंग अधिनियम और 1984 का अमेरिकी शिपिंग अधिनियम

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई. बी. ओ. -06**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई. बी. ओ. -06/ टी. एम. ए. / 2022 - 24**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. (क) अंतर्राष्ट्रीय रोकड़ प्रबंधन से आप क्या समझते हैं ? इसकी आवश्यकता एवं महत्व पर चर्चा करें। **(10)+(10)**
(ख) रोकड़ प्रबंधन में रोकड़ चक्र के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

2. विनिमय जोखिम प्रबंधन के केन्द्रीकरण और विकेंद्रीकरण को निर्धारित करने वाले कौन – कौन से कारक हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ उन नीतियों पर चर्चा कीजिए जिनकी आप भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए सिफारिश करेंगे। **(20)**

3. निम्नलिखित पर टिप्पणियां कीजिए : **(4X5)**
(क) प्रतिकूल भुगतान शेष (BOP) स्थिती को ठीक करने के लिए अवमूल्यन सबसे कम प्रभावी उपाय है।
(ख) विनिमय दरों में परिवर्तन का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और पूंजी प्रवाह के पैटर्न पर मौलिक प्रभाव नहीं पड़ता है ।
(ग) विदेशी निवेश (FDI) से समय और परिवहन लागत बचती है ।
(घ) कर नीति का विदेशी निवेश पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।

4. निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए : **(4X5)**
(क) प्राथमिक होल्डिंग कंपनी और इंटरमिडीएट होल्डिंग कंपनी
(ख) समामेलन और विलय
(ग) रियायती रोकड़ प्रवाह (DCF) और गैर- रियायती रोकड़ प्रवाह (Non-DCF) तकनीकें
(घ) लाभांश मूल्यांकन मॉडल और पूंजी परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण मॉडल

5. निम्नलिखित पर संक्षेप में व्याख्या कीजिए : **(4X5)**
(क) अंतर्राष्ट्रीय धन हस्तांतरण तंत्र
(ख) पुर्नखरीद समझौते
(ग) भारत में मुद्रा व्युत्पन्न बाजार
(घ) व्यावसायिक पर्यावरण जोखिम सूचकांक